

# Stichiry 4. hlasu

Utireň

© 2018 [irmologion.nfo.sk](http://irmologion.nfo.sk)

## Pasapnoarion



Βεῶ-κο-ε δι-χά-νι-ε     δι χεῶ-λητῶ-γο-πο-δα.



Χεῶ-λή-τε γο-πο-δα εἰ-νε-βεις,     χεῶ-λή-τε εἰ-γὸ εἰ-βι-σινηξ.



Τε-βῆ-πο-δο-βά-ετῶ-πῆ-ειν-βο-γῶ.



Χεῶ-λή-τε εἰ-γὸ εἰ-νῆ ἄ-γε-λη εἰ-γὼ,     χεῶ-λή-τε εἰ-γὸ εἰ-νῆ εἰ-νῆ εἰ-γὼ.



Τε-βῆ-πο-δο-βά-ετῶ-πῆ-ειν-βο-γῶ.

## Ο σταυρόν υπομείνας

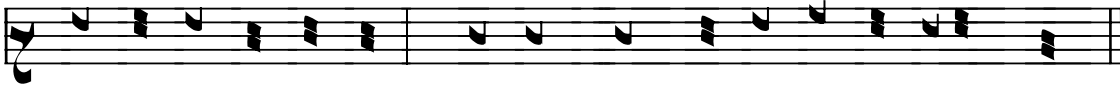
Ο σταυρόν υπομείνας καί θάνατον, 11 G3  
 καί αναστάς εκ τών νεκρών, 8 G  
 παντοδύναμε Κύριε, 8  
 δοξάζομέν σου τήν Ανάστασιν. 10 yG3



→ ΓΟ-ΤΒΟ- ρή-τη β'νήχ' εδ' ηλ- πύ- λην', ελάβα εἰδὲν β'δετ' β'ε'μ' πρεπο- ΔΟΒ- ΗΥ' ε- γω.



Κρ'τ'z πρε-τερ-π'β- βυή η' μερ'τ', η' βοε- κρ-β'η η'ζ' μερ'τ-βυχ'z



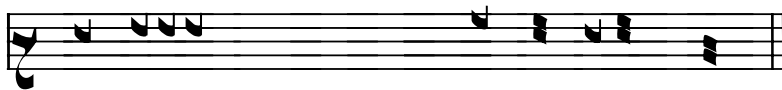
βεε- εἰληνε γό- επο-δη, ελά- βημ' τ'βο- ε' βοε- κρε- εε- ηἰ - ε.

## Εν τῷ σταυρῷ σου Χριστέ

Εν τῷ σταυρῷ σου Χριστέ, 7 G3  
 τῆς αρχαίας κατάρας 7 ηλευθέρωσας ἡμᾶς, 7 G + C3 //  
**καί εν τῷ** θανάτῳ σου, 7 G  
 τὸν τὴν φύσιν ἡμῶν τυραννήσαντα, 11 διάβολον κατήργησας, 6 G3 // E ///  
 εν δέ τῇ Εγέρσει σου, 7 yG χαράς τα πάντα ἐπλήρωσας, 9 G3 //  
**διό** βοῶμέν σοι, 6 G3  
 ο ἀναστάς εκ τῶν νεκρῶν, 8 c **Κύριε δόξα σοι.** 6 G3



→ Χβα-λί-τε βο-ῖα βο-ε-τίχ<sup>z</sup> εἶ-γώ,



χβα-λίτε εἶγὸ βο οἴτβερχένηι ηί-λυ εἶ-γώ.



Κῆ-τόμ<sup>z</sup> τβο-ήμ<sup>z</sup> χῆ-τέ, ὦ δρέβνία κλάτβυ εβοβο-δήλ<sup>z</sup> εἶ-εὶ ηί<sup>z</sup>,



ή σμέρ-πί-ю τβο-έ-ю εἶ-τε-ετβὸ ηά-ше мѢ ча-ца-го



дї-ά-βο-ла οἴ-πραзд-ηήλ<sup>z</sup> εἶ-εὶ:



βο-ετá-нї-ем<sup>z</sup> же τβο-ήμ<sup>z</sup> ρά-δο-εти вѣд ηε-πόλ-ηη<sup>z</sup> εἶ-εὶ.



τῆμ-же βο-пї-έμ<sup>z</sup> τή:



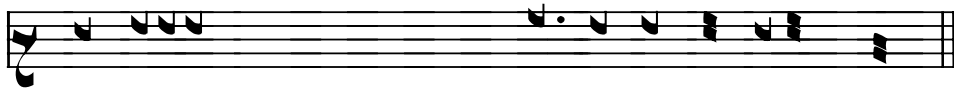
βο-κῆ-сыи ηἶ<sup>z</sup> μέρ<sup>τ</sup>-выχ<sup>z</sup> γό-спо-ди, ελά-βα-τε-εἶ.

## Τὼ σὼ Σταυρῶ Χριστέ

Τὼ σὼ Σταυρῶ Χριστέ Σωτήρ, 8 a  
 Οδήγησον ημάς 6 ἐπὶ τὴν ἀλήθειάν σου, 8 F+E3  
 καὶ ρύσαι ημάς, 5 τῶν παγίδων τοῦ ἐχθροῦ, 7 h3 //  
 ὁ ἀναστάς ἐκ τῶν νεκρῶν, 8 e  
 ἀνάστησον ημάς 6 πεσόντας τὴν ἀμαρτία, 8 E3  
 ἐκτείνας τὴν χεῖρά σου, 7 a  
 φιλόανθρωπε Κύριε, 7 τὴν πρεσβείαν τῶν Ἁγίων σου. 9 G+yG3



→ Χβα-λή-τε ε̇- γὸ να εή- λαχз ε̇- γὼ,



χβα-λήτε ε̇γὸ πο μνόζεετѢѢ ве-λή-че-ετѢї Ѡ ε̇- γὼ.



Тво-һмз кѣ-тѡмъ х̣ѣ-те еї-се, на-ετѣви һазз на ѣ-εтн- һѢ тво-ю,



һ һзѣви һазз ѡ ε̇εтѣй вѣ-жї-һчз, воε-кѣ-εвїһ һз' мѣрт-вычъ,



воз-ετѣви һы пѣшшы Ѡ-εѠ грѣ-χѡмз,



про-εтѣръ ρѢ-кѢ тво-ю че-ло-вѣкоһѣче гѡ-επο-дн,



мо-λή-тва-ми εβα-тѣчз тво-һчз.

## Τῶν Πατρικῶν σου κόλπων

Τῶν Πατρικῶν σου κόλπων, 7 a  
 μὴ χωρισθεῖς μονογενές 8 G3 Λόγε τοῦ Θεοῦ, 5 C3//  
 ἦλθες ἐπὶ γῆς διὰ φιλανθρωπίαν, 12 yG ἄνθρωπος γενόμενος ἀτρέπτως, 10 yG //  
 καὶ Σταυρόν καὶ θάνατον 7 υπέμεινας σαρκί, 6 D ο ἀπαθῆς τῆ θεότητι, 9 C //  
 ἀναστάς δὲ ἐκ νεκρῶν 7 yG ἀθανασίαν παρέσχες 8 G τῷ γένει τῶν ἀνθρώπων, 7 DG.G  
 ὡς μόνος παντοδύναμος. 8 yG3



→ Χβα-λί- τε εἰγὸ βο γλά- σѣ τρѣбнѣмъ, хва-λίте εἰγὸ βο ψλα- τί- ρи ἡ γλ- λεχъ.



Ὅτ' ἐχεικχъ τ'βοиχъ нѣдръ не рлз-лѣ чѣв-сѣ, εἰдннорѡдннй слѡ- ве бѡ- жїѡ,



прн-шѣлъ εἰ- сѣ на зѣм-лю за че- ло- вѣ- ко- лю- бї- е,



че- ло- вѣкъ бѣвъ не- пре- лѡ- женъ.



ἡ κрѣтѣ ἡ смѣртѣ пре- тер- пѣлъ εἰ- сѣ плѡ- тї- ю,



без- стрѣст- ннй бо- же- ствѡмъ:



во- крѣтѣ же ἡзѣ мѣр- твнхъ, без- смѣр- тї- е пѡ- длъ εἰ- сѣ



рѡ- дѣ че- ло- вѣ- че- ско- мѣ, ѡ- кв εἰ- дѣнъ все- сѣ- ленъ.

## Θάνατον κατεδέξω σαρκί

Θάνατον κατεδέξω σαρκί, 9	G
ημίν αθανασίαν 7 πραγματευσόμενος Σωτήρ, 8	ус //
καί εν τάφω ώκησας, 7	G
ίνα ημάς τού άδου ελευθερώσης, 12	ya+yG
συναναστήσας εαυτώ, 8	D3 //
παθών μέν ως άνθρωπος, 7	C
αλλ' αναστάς ως Θεός. 7	G3
Διά τούτο βοώμεν. 7	G?
Δόξα σοι, ζωοδότα Κύριε, <b>μόνε Φιλάνθρωπε.</b> 10+6	G+yG3



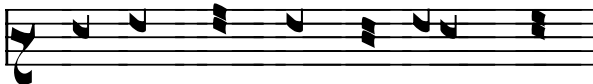
→ Χβα-λή- τε ε̇γὸ β' π̇ν̇μ̇πά̇ν̇τ̇ ἡ λή- τ̇τ̇, χβα- λίτ̇ε ε̇γὸ βο ε̇τρ̇δ̇-παχ' ἡ ὄρ- γά- η̇τ̇.



ε̇μέρ̇τ̇ π̇ρί̇ά̇λ' ε̇- ε̇ν̇ π̇λό-τ̇ι̇ ἰο, ἡλ̇μ' β̇ε̇ζ̇ε̇μέρ̇τ̇ι̇ε χ̇ο̇δ̇ά̇τ̇αι̇-ε̇τ̇ε̇δ̇- λ̇ ε̇π̇- ε̇ε,



ἡ βο γρὸβ' β̇ε̇λη̇λ̇- ε̇λ̇ ε̇- ε̇ν̇, δ̇α ἡλ̇ε̇ζ̇ ὤ ἄ- δ̇α ε̇βο- βο- δ̇ή- σ̇η̇,



βοε- κ̇ρ̇- ε̇ἡβ' ε̇ζ̇ ε̇ο- βό- ἰο:



πο-ε̇τ̇ρα-δ̇ά ο̇ῦ̇ε̇ω ἡ̇κ̇ω χ̇ε- λο- β'ε̇κ̇ε̇ζ̇, ἡο βο-ε̇κ̇ρ̇ε̇ζ̇ ἡ̇- κ̇ω β'ε̇ζ̇.



ε̇ε- γ̇ὼ ρά- δ̇η βο- π̇ι̇- ε̇μ̇ε̇ζ̇:



ε̇λά- βα τ̇ε̇β'ε̇ ζ̇η̇ζ̇η̇ο̇δ̇ά̇β̇ε̇ γό-ε̇πο-δ̇η, ε̇- δ̇ή- η̇ε χ̇ε- λο- β'ε̇- κο- λ̇ί̇β̇- χ̇ε.

## **Πέτραι εσχίσθησαν Σωτήρ**

Πέτραι εσχίσθησαν Σωτήρ, 8	G
ότε εν τώ Κρανίω 7 ο Σταυρός σου επάγη, 7	C+C3
έφριξαν άδου πυλωροί, 8	G
ότε εν τώ μνημείω 7 ως θνητός κα-τετέθης, 7	C+C3
καί γάρ του θανάτου 6 καταργήσας τήν ισχόν, 7	ya+F
τοίς τεθνεώσι πάσιν 7 αφθαρσίαν παρέσχες, 7	ya+ F3
τή Αναστάσει σου Σωτήρ. 8	yc
<b>Ζωοδότα Κύριε δόξα σοι. 10</b>	G3

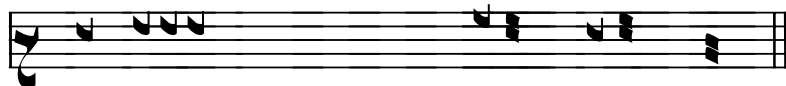




→ ХВА-ЛІ- ТЕ ѿГО ВЪ КЪМЪ ВЪЛѢХЪ ДО- БРО- ГЛАСНЫХЪ.



ХВА-ЛІ- ТЕ ѿ- ГО ВЪ КЪМЪ ВЪЛѢХЪ ВОС- КЛИ- ЦА- НИ- А.



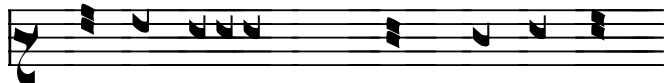
Всѣ- кое дыханіе да хва- литъ го- спо- да.



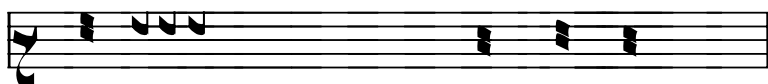
КѢМЕНІЕ распа- дѣ- ше- сѧ сп- се, ѿГ- да на лѢВНѢМЪ КРѢТЪ ТВОѢ ВО- ДРЪ- ЗНІ- Сѧ,



оу- стра- шѣ- шасѧ ѡДОВЫ ВРАТ- НИ- ЦЫ, ѿГ- да во грѢ- бѣ



ѡ- ко мѢРТВЪ ПОЛО- ЖЕНЪ БЫЛЪ ѿ- сѧ:



Ѣ- во смѢРТНЮ оу- празни- вый крѢ- постъ,



оу- мѢРШЫМЪ ВСѢМЪ НЕЧЛѢНІЕ ПО- ДЛЪ ѿ- сѧ ВОС- кре- сѣ- ни- емъ тво- ѡмъ сп- се,



ЖИЗНОДѢВЧЕ ГОСПО- ДИ, сла- ва те- бѣ.

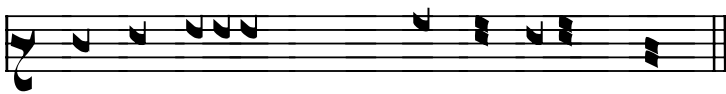
## Επεθύμησαν Γυναίκες

Επεθύμησαν Γυναίκες, 8      ιδείν σου τήν Ανάστασιν, 8  
Χριστέ ο Θεός, 5      G3

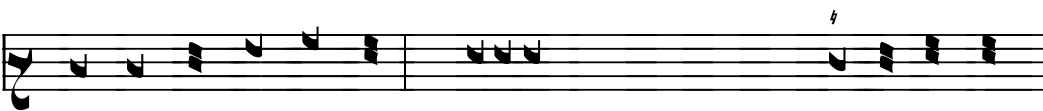
ήλθε προλαβούσα Μαρί-α 9      η Μαγδαληνή, 5      yG+C3  
εύρε τόν λίθον 5      αποκυλισθέντα τού μνήματος, 10      yG+G3  
καί τόν Άγγελον 5      καθεζόμενον      καί λέγοντα. 9      a+E3  
Τί ζητείτε τόν ζώντα 7      μετά τών νεκρών, 5      yG+C3  
ανέστη ως Θεός, 6      ίνα σώση τά σύμπαντα. 8      yc+G3



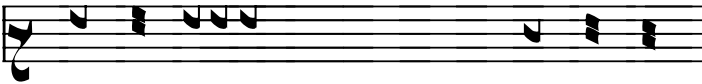
→ Κοε- κῆ- η̇-η̇- ρο- πο- δι εῖ-κε μόνῃ,      δι βο-ζε-νε- εἶπ- εἰ- ρῆ- κα τβο-λ,



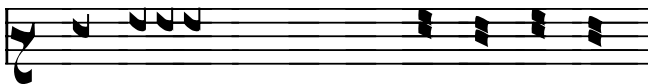
ηε ζα- εἰ-δῆ οὔ-εὐ-οῖ-η̇-χ' τβο-ή-χ'z δο κοη-      ца.



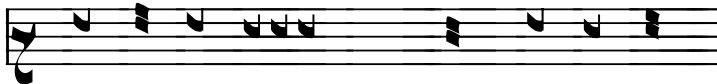
βο-ζε- λε- σα ζε-νη̇      βή-δῆ-τη τβοε̇ βοικρε-ε̇νη̇, χῆ-τῆ εῖ-κε,



πῆ-ή- δε προε-δῆ-ρῆ-ση μαρί-α μαγ-δα- λή- να,



ω̇- εῖ-ρε-τε κά-με-νη̇ ω̇βα- λῆ-νη̇ ω̇ γρό-βα,



ἡ̇ ἄ-γε-λα εἰ-δῆ-σα ἡ̇ γλα- γό-λυ-ψα:



χτὸ ἤ-ψε-τε ζη-βά-γο εἰ- μέρ-τ-βυ-μη:      Κοε-κῆ- σε ἰ-α- κω εἶ-ζ,



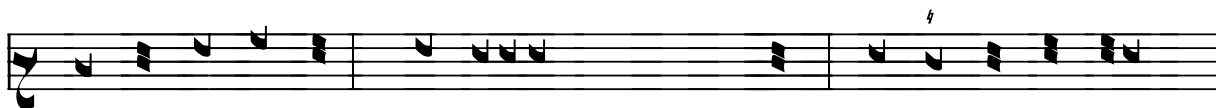
δι εἶ- εἶ-τ'z βε-ἀ-      υε-ε- κα- - α.

## **Πού εστιν Ιησούς**

<b>Πού</b> εστιν Ιησούς, 5	<b>όν</b> ελογίσασθε φυλάττειν; 9	G2*
είπατε Ιουδαίοι, 7		G3
<b>πού</b> εστιν, 3	<b>όν</b> εθήκατε εν τώ μνήματι, 10	a
τόν λίθον σφραγίσαντες, 7		G3 //
<b>δότε</b> τόν νεκρόν, 5	οι τήν ζωήν αρνησάμενοι, 9	G+C
<b>δότε</b> τόν ταφέντα, 6	ή πιστεύσατε τώ αναστάντι, 10	**+G3
κάν υμείς σιγήσητε	τού Κυρί- ου τήν Έγερσιν, 15	G+G2
οι λίθοι κεκράζονται, 7		E3
μάλιστα ο αποκυλισθείς / εκ τού μνήματος. 14		C
<b>Μέγα</b> σου τό έλε- ος! 7		E
<b>Μέγα</b> τό μυστήρι- ον 7		D
τής οι-κο-νο-μίας σου! 7		G
<b>Σωτήρ</b> ημών <b>δόξα</b> σοι. 7		G3



→ Нѣ по-вѣмиза тебѣ гдѣ вѣмъ сѣрдцемъ моимъ по-вѣмиза вѣдѣ де еа твоѣ.



Гдѣ ѡсѣдѣ, ѡ гожѣ вѣннѣсте стреци, рцы те ѡдѣн;



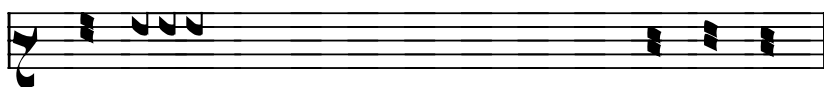
Гдѣ ѡсѣдѣ, ѡ гожѣ положѣте во гробѣ, каменъ за печлѣвше;



да днѣ те мѣртѣ нже жнотѣ ѡвѣгши н еа:



да днѣте погребѣна го, н лн вѣрѣте во крѣше мѣ.



ѡце н вѣ ѡмолчѣте госпѣдне во гѣ нѣ е,



ка мѣ нѣе во зо пѣ ѣтѣ, пѣ че же ѡвалѣнны ѡ грѣба.



вѣ лн ка твоѣ мѣтѣ, вѣ лѣ е чѣннѣство смѣтрѣнѣ тво е гѣ



спѣ се нѣшѣ, слѣва те бѣ.

## ΕΩΘΙΝΟΝ Δ' Ἦχος δ'

Ὄρθρος ἦν βαθύς, 5 C  
καί αι Γυναίκες ἦλθον 7 ἐπὶ τὸ μνήμά σου Χριστέ, 8 G+G3  
*ἀλλὰ* τὸ σῶμα <sup>yc</sup> οὐχ ευρέθη, 9\*\*\* τὸ ποθούμενον αὐταῖς, 7 G3

*διὸ* ἀπορουμέναις, 7 G  
οἱ ταῖς ἀστραπούσαις 6 G  
εσθήσεσιν ἐπιστάντες, 8 G3 //

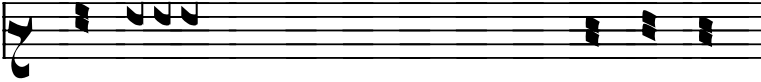
*Τί* τὸν ζῶντα μετὰ τῶν νεκρῶν 9 ζητεῖτε; ἔλεγον, 6 yG+G3  
Ἠγέρθη ὡς προεῖπε, 7 G  
*τί* ἀμνημονεῖτε <sup>a</sup> τῶν ρημάτων αὐτοῦ; 12 G3 //  
Οἷς πεισθεῖσαι, τὰ οραθέντα ἐκήρυττον, 13 E3  
*ἀλλ'* ἐδόκει λήρος τὰ εὐαγγέλια, 12 G3  
οὕτως ἦσαν 4 G3 ἐτι νοθεῖς οἱ Μαθηταί, 8 h  
*ἀλλ'* ὁ Πέτρος ἔδραμε, G  
καί Ἰδὼν \*\*\* ἐδόξασέ σου, \*\*\*  
πρὸς εαυτὸν τὰ θαυμάσια.9 G3



→ СЛАВА ѿ ЦХ ѿ СЫ НХ ѿ СВА ПО МХ ДХ ХХ.



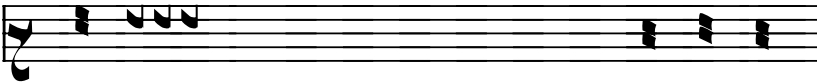
О҃т҃ро вѣ́ гл҃во- ко̀, ѿ ж҃ны прїно́ша на грѣбѣз тво́й, хр҃- те:



но тѣло не ѡбръ́теса желѣмо- е ѿ ми:



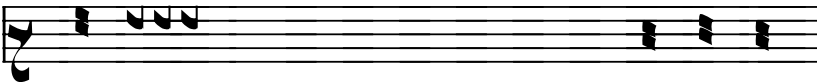
тѣмже недоумѣ-ва́ю-щым-са, ѿ- же вѣ́ рїзахъ блещі́щихса пред-ста́в-ша-а,



что́ жива́го съ мѣртвymi ѿщете; гла- го- ла- ста



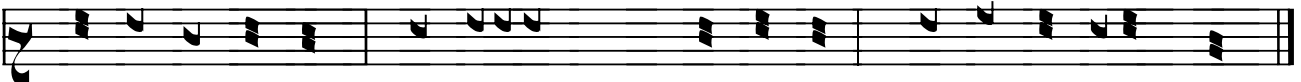
во- ста, ѿкоже пред-ре- че, что́ не по́мните гла-го́ла ѿ- го̀;



ѿм- же вѣ́ровавша видѣ́ннаа пропо- вѣ- да- хъ,



но мнѡ́хса лжа́ благо-вѣ́ще-ні- а: та- ко быша ѿще́ ко́снн о҃т҃н- ци:



но пѣтръ те- че ѿ видѣ́вз просла- ви тво- ѡ вѣ́ се- вѣ́ чѣ- де- са.